बृहस्पति ग्रह का रत्न

पुखराज (yellow sapphire) बृहस्पति ग्रह का रत्न है और बृहस्पति ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। शुद्ध पुखराज रत्न धारण करने के परिणाम चार वर्ष तक प्राप्त होते हैं। शुद्ध पुखराज रत्न के अभाव में बृहस्पति ग्रह के उपरत्नों का भी प्रयोग किया जा सकता है जैसेः- सुनहला, सोनल, केसरी आदि।

पुखराज रत्न की साधारण पहचानः-

पुखराज रत्न देखने में चमकीला और पारदर्शी होने के साथ कोई न कोई रेशा (छोटा या बड़ा) अवश्य होता है, और हाथ में लेने पर चिकना और भारीपन वाला होता है, पुखराज रत्न में से सूर्य की किरणें सीधी न आकर वक्री आती हैं।

पुखराज रत्न की सामान्य परीक्षण विधियां

पुखराज रत्न को 24 घण्टे गाय के दूध या गोमूत्र या दोनों के मिश्रण में रखने पर उसकी चमक और रंग में कोई अन्तर नही आता, शुद्ध पुखराज रत्न गरम होने पर नितान्त श्वेत वर्ण का हो जाता है। पुखराज रत्न पर लोहे से भारी चोट मारने पर वह किनारे से या एक ओर से टुकड़े की तरह टूटेगा, चूर-चूर नही होगा।

पुखराज रत्न धारण करने की विधि

पुखराज रत्न को चांदी या सोने की अंगूठी या लॉकेट में बनवाकर, उसकी प्राणप्रतिष्ठा करके या करवाकर, किसी शुभ मुहूर्त में या गुरू पुष्य योग में या शुक्ल पक्ष के बृहस्पतिवार के दिन या गुरू की होरा में या बृहस्पति ग्रह के नक्षत्र वाले दिन में सुबह तर्जनी अंगुली (index finger) में धारण करना चाहिये।

पुखराज रत्न धारण करने के लाभ

जन्मपत्रिका में बृहस्पति ग्रह के स्वामित्व भाव, बृहस्पति ग्रह के स्थित भाव, बृहस्पति ग्रह की दृष्टि और बृहस्पति ग्रह की दशा आदि में बृहस्पति ग्रह के शुभ प्रभावों को बढ़ाने और अशुभ प्रभावों को कम करने में पुखराज रत्न सहायक होता है, साथ ही विवेक वृद्धि, पीलिया रोग, कुष्ठ व चर्मरोग नाशक, स्वास्थ्य एंव आयु वृद्धि, बुद्धि और व्यापार या व्यवसाय वृद्धि, अध्य्यन और किसी कन्या के विवाह में भी होने वाले विलंब को दूर करने में भी सहायक सिद्ध होता है।

पुखराज रत्न धारण करने के लिए निर्देश और सावधानियां

पुखराज रत्न के पूर्ण शुभ फल प्राप्त करने के लिए अंगूठी या लॉकेट का निचला भाग भी खुला होना चाहिए ताकि पुखराज रत्न आपके शरीर को छू सके। पुखराज रत्न धारण करने के बाद यदि संभव हो सके तो तामसिक भोजन का प्रयोग न करें, नही तो कम से कम बृहस्पतिवार के दिन तामसिक भोजन का प्रयोग बिलकुल न करें, धैर्य रखें, क्रोध न करें, झूठ न बोलें और बृहस्पतिवार के दिन यथा शक्ति बृहस्पति ग्रह का मंत्र जप करें। **पुखराज रत्न धारण करने के बाद 27 दिन के अन्दर यदि आपको प्रतिकूलता का अनुभव हो तो तुरंत ज्योतिषीय सलाह लें।**